सेवक अधिकार

Servant Authority

उद्देश्य (OBJECTIVE)

इस प्रशिक्षण में हम यह सीखते हैं कि **नेतृत्व का असली स्वरूप सेवा करना** है।
हम यीशु के उदाहरण को देखते हैं, जिन्होंने **धोने के पात्र के साथ सेवा की**, न कि तलवार के साथ प्रभुत्व किया।

सेवक आगुवे वे होते हैं जो दूसरों की भलाई को प्राथमिकता देते हैं, जिनमें आत्मिक नम्रता होती है, और जो दूसरों को ऊपर उठाने के लिए अपने अधिकार का उपयोग करते हैं।
सेवक अधिकार, प्रभु के अधिकार का उपयोग करके लोगों की सेवा करना और उनका निर्माण करना है — न कि नियंत्रण करना।

सारांश (OVERVIEW)

- सेवक नेतृत्व यीशु के नम्र उदाहरण पर आधारित है
- प्रभुत्व की तलवार नहीं, सेवा का कटोरा थामा गया (यूहन्ना 13)
- सेवक अधिकार का अर्थ है:
    - परमेश्वर के नाम में अधिकार में चलना
    - शक्ति का उपयोग दूसरों की सेवा के लिए करना
    - नियंत्रण नहीं, सशक्तिकरण
- अधिकार नियंत्रण के लिए नहीं, बल्कि सेवा और निर्माण के लिए है
- सेवक आगुआ दूसरों की **प्रभावशीलता** को बढ़ाने के लिए निर्णय लेते हैं
- नम्रता, सेवा, और परमेश्वर पर निर्भरता से सच्चा आत्मिक अधिकार आता है

संदर्भित बाइबल वचन (VERSES REFERENCED)

- यूहन्ना 13:1-17
- मत्ती 20:25-28
- 2 कुरिन्थियों 10:8
- 1 पतरस 5:2-3

अध्ययन के लिए प्रश्न (QUESTIONS FOR FURTHER STUDY)

1. क्या आपके नेतृत्व में सेवा और नम्रता का स्वरूप स्पष्ट रूप से प्रकट होता है?

2. आपने कब अपने नेतृत्व में **तलवार** (नियंत्रण) के स्थान पर **कटोरा** (सेवा) को अपनाया?

3. आपने प्रभु से जो अधिकार प्राप्त किया है, उसे आप दूसरों की सेवा और उनके विकास के लिए कैसे प्रयोग कर सकते हैं?

4. आप कैसे दूसरों को प्रभु में नेतृत्व के लिए सशक्त बना सकते हैं?

अधिक अध्ययन के लिए वचन पद (SCRIPTURE FOR FURTHER STUDY)

- मत्ती 23:1-12
- 1 पतरस 5:1-4
- फिलिप्पियों 2:5-11